युक्तिवाद तथा युक्तिवाद का आकार (Argument and Argument form)

युक्तिवाद (Argument) —

तर्कवाक्यों या प्रकथनों के ऐसे समूह या विन्यास को युक्ति कहा जाता है, जिसमें कोई तर्कवाक्य अन्य तर्कवाक्यों से निष्पादित होता है।

Ex —

If there is sun, there is life
there is sun
there is life.

युक्ति दो प्रकार के होते हैं —

(i) निगमनात्मक — इसमें निष्कर्ष आधार वाक्य में सन्निहित होते हैं तथा यह वैध/अवैध होते हैं।

(ii) आगमनात्मक — इसमें निष्कर्ष आधार वाक्यों में सन्निहित नहीं होता तथा वैध/अवैध नहीं, बल्कि अधिक सम्भाव्य या कम सम्भाव्य होता है।

युक्ति आकार — जब किसी युक्ति के स्थान पर p, q, r, s, Variable का प्रयोग किया जाता है तो उसे युक्ति आकार कहते हैं। उपरोक्त युक्ति का युक्ति आकार होगा —

$p \supset q$
p
$\therefore q$

| Argument form.

स्वयंसिद्ध प्रणाली (Axiomatic system)

स्वयंसिद्ध प्रणाली वह प्रणाली जिसमें कुछ स्वयंसिद्धियों या अभिगृहीतों को आधार मानकर एक निगमनात्मक तंत्र का निर्माण किया जाता है। इसमें कुछ नियमों और कुछ स्वतःसिद्धों के बल पर एक सम्पूर्ण सुसंगति प्रणाली खड़ी की जाती है।

सुसंगति (Consistency)

उन विचारों या प्रतिज्ञप्तियों की विशेषता जिनका मेल व्याघात या तार्किक विरोध से रहित होता है। प्रणाली तभी सुसंगत हो सकती है जब उस प्रणाली में प्रमेय के रूप असिद्ध सूत्रों का निगमन किया जा सके।

पूर्णता (Completeness)

प्रणाली परिपूर्ण है ऐसा हम तभी कह सकते हैं जब प्रणाली का प्रत्येक सूत्र प्रमेय होगा। ऐसा सूत्रों का वर्ग जिसको विशेष प्रणाली में प्रमेय रूप में सिद्ध नहीं हो सकता। उस प्रणाली में ~~ऐसे~~ सूत्रों की ~~सम्मति~~ सहित रिक्त होती है वह प्रणाली परिपूर्ण होती है।